Your Imagination, we Print...

JAY graphics & printers

COMMERCIAL PRINTERS

C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 279 • दिनांक : 15-07-2026, WEDNESDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'

दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये

सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय

403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.

अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.

मोबाईल नं. : 93288 95485

email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

भारतीय नाविक की मौत पर ईरानी राजदूत तलब; भारत आ रहे 11 जहाज अटके

भारत बोला- होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाना बंद हो

»तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में मंगलवार सुबह दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इस तरह के हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, हमले का शिकार बने दोनों जहाजों पर कुल 30 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 10 घायल हुए हैं। भारत ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताई है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

भारत ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव चिंता का विषय है। उसने सभी पक्षों से हिंसा रोकने, बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट जैसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और व्यापार हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारीः अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के शहरों पर 5 घंटे तक बमबारी की और बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ट्रम्प बोले- होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्सःअमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेगा। इसके बदले हर कार्गो पर 20% शुल्क वसूलेगा। ईरानी जहाजों और उसके ग्राहकों पर नई पाबंदियां लागू कीं।

ईरान का जवाब- सुरक्षा हम देते

हैं, लेकिन 20% ज्यादाः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रम्प के बयान का जवाब देते हुए कहा कि सुरक्षित समुद्री रास्ता उपलब्ध कराने वाले को भुगतान मिलना चाहिए और यह जिम्मेदारी हमेशा से ईरान निभाता आया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 20 प्रतिशत तो बहुत ज्यादा है। हम उचित शुल्क लेंगे।

अमेरिका ने ईरान के सबमरीन और नेवल बेस पर हमला कियाः CENTCOM ने बंदर अब्बास स्थित सबमरीन और नेवल मेंटेनेंस फैसिलिटी पर सी-ड्रोन से हमला किया। अईरान की नौसैनिक क्षमता को निशाना बनाया।

दावा- रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट तेहरान पहुंचाः अमेरिका-ईरान तनाव के बीच रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट Tu-214PU तेहरान पहुंचा। यह विमान परमाणु या बड़े युद्ध के दौरान राष्ट्रपति और सेना के कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ईरान ने दावा किया है कि पिछले कुछ हफ्तों में 200 से ज्यादा विदेशी जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए उसकी इजाजत मांगी है। ईरान के पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (PGSA) ने इसकी जानकारी दी है। PGSA ने कहा कि इनमें से ज्यादातर जहाजों को आवागमन की मंजूरी और बीमा कवरेज भी दिया गया। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि इसमें से कुल कितने जहाजों को अनुमति मिली। ईरान ने इसी साल PGSA की स्थापना की थी। उसका कहना है कि इस संस्था का मकसद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही पर निगरानी रखना और इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर अपने अधिकार के दावे को मजबूत करना है। हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट को बंद घोषित करने से पहले भी ईरान कहता रहा था कि केवल वही जहाज इस रास्ते से गुजर सकते हैं, जो PGSA के जरिए उसकी मंजूरी लें। वहीं, अमेरिका ने पहले ही जहाज संचालकों को PGSA के साथ सहयोग नहीं करने की चेतावनी दी थी। सऊदी अरब ने सोमवार को यमन की राजधानी सना के एयरपोर्ट पर हमला किया। CNN के मुताबिक यह हमला इसलिए किया गया ताकि ईरान से लौट रहे हूती डेलिगेशन का विमान वहां लैंड न कर सके। रिपोर्ट के मुताबिक, हूती डेलिगेशन पिछले सप्ताह ईरान में दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहा था।

बंगाल की खाड़ी में 9 मछुआरों के शव मिले :बॉडी सड़ जाने से पहचान मुश्किल

8 दिन पहले बोट पलटी थी; 6 अब भी लापता

»कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के पास बंगाल की खाड़ी में डूबे एक ट्रॉलर से आठ दिन बाद नौ मछुआरों के शव बरामद किए गए हैं। छह मछुआरे अब भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है।

'जय मां काली' नाम का ट्रॉलर 2 जुलाई को पूर्व मेदिनीपुर जिले के शंकरपुर मछली बंदरगाह से 15 मछुआरों को लेकर समुद्र में मछली पकड़ने निकला था। 6 जुलाई के बाद ट्रॉलर से संपर्क टूट गया था।

अधिकारी ने बताया कि समुद्र में कई दिन रहने के कारण शव बुरी तरह सड़ चुके हैं और उनकी पहचान करना मुश्किल है। अब उनकी पहचान डीएनए (DNA) जांच के बाद ही हो सकेगी।

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ (PMNRF) से दो-दो लाख रुपये की सहायता देने का ऐलान किया है। जिला प्रशासन के मुताबिक, पुलिस और भारतीय तटरक्षक बल ने आठ दिन की तलाश के बाद शनिवार को बक्खाली तट से करीब 35 किलोमीटर दूर बाघेर चार के पास डूबे ट्रॉलर का पता लगाया।

रविवार को कई मछली पकड़ने वाले ट्रॉलरों की मदद से इसे पाथरप्रतिमा के सीतारामपुर तट तक लाया गया। इसके बाद पूरी रात चले राहत अभियान में ट्रॉलर के अंदर से नौ मछुआरों के शव निकाले गए।

प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि बंगाल की खाड़ी में खराब मौसम के कारण ट्रॉलर पलट गया होगा। हालांकि, हादसे की असली वजह जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी। लापता मछुआरों में ओडिशा के बालासोर जिले के तीन सगे भाई- रवींद्र माझी (52), जयराम माझी (49) और जगन्नाथ माझी (45) शामिल हैं। उनके रिश्तेदार संन्यासी माझी ने बताया कि तीनों पहले भी कई बार मछली पकड़ने के लिए शंकरपुर जाते रहे थे। अधिकारी ने बताया कि ट्रॉलर पर शुरुआत में 16 लोगों के जाने की योजना थी, लेकिन एक व्यक्ति किसी कारणवश नहीं गया। बाकी मृतक और लापता मछुआरे पूर्व मेदिनीपुर, हावड़ा और नदिया जिलों के रहने वाले हैं। काकद्वीप उप-मंडलीय अस्पताल की मोर्चरी के बाहर उनके परिजन अब भी इंतजार कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार

कहा- कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

CBSE ने इसी सेशन से पॉलिसी लागू की

»नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता है।

साथ ही इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों को लेकर सरकार और सीबीएसई से 10 दिन में जवाब मांगा है। अब 14 दिन बाद 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी।

दरअसल, थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी मौजूदा 2026-27 सेशन से लागू कर दी गई है। नई पॉलिसी के मुताबिक स्टूडेंट्स को 2 भारतीय भाषाएं और एक विदेशी भाषा पढ़नी होगी। ऐसे में उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि CBSE ने तैयारी के बिना तीन-भाषा नीति लागू कर दी है। स्कूलों में पर्याप्त टीचर, किताबें और जरूरी एकेडमिक इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद नहीं है, जिससे स्टूडेंट-टीचर को परेशानी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में CBSE के उस नियम को चुनौती दी गई है, जिसके तहत 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 के छात्रों के लिए तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य कर दिया गया है। इनमें कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी है। हालांकि, CBSE ने थ्री लैंग्वेज पॉलिसी पर 6 जून को यूटर्न लिया और नई गाइडलाइन जारी की थी। इसके मुताबिक, इस साल 10वीं में पढ़ रहे छात्रों को तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं देनी होगी।

7वीं, 8वीं और 9वीं के वे छात्र, जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी हैं, वे अपनी वही भाषाएं जारी रख सकेंगे। हालांकि, उन्हें इसके साथ एक भारतीय भाषा भी पढ़नी होगी। पहले कई छात्र अंग्रेजी के साथ एक भारतीय और एक विदेशी भाषा (जैसे फ्रेंच, जर्मन) पढ़ते थे। अब नियम कहता है कि तीन में से कम-से-कम दो भाषाएं भारतीय होनी चाहिए। विदेशी भाषा तीसरी या अतिरिक्त चौथी भाषा के रूप में ही ली जा सकेगी। सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने पर रोक लगनी चाहिए। सीनियर एडवोकेट आनंद ग्रोवर, सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि 22 भारतीय भाषाओं में से अभी केवल 3 भाषाओं की किताबें उपलब्ध हैं। ऐसे में बाकी भाषाओं में पढ़ाई कैसे शुरू होगी?

शिक्षकों को लेकर क्या समस्या बताई गई? जवाबः वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि अगर किसी स्कूल में नई भारतीय भाषा पढ़ानी होगी, तो उसके लिए प्रशिक्षित शिक्षक चाहिए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इतने कम समय में शिक्षक और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना संभव नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील ; लंबी जंग की तैयारी

14 महीने में हथियारों की खरीद का पैटर्न बदला

»नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है।

डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी। तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रुप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए। नए प्रस्ताव में लक्ष्य महीनों तक हथियार, मरम्मत में तेजी और रसद बनाए रखना है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया के लंबे संघर्षों ने भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि, पनडुब्बियों, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में देरी अब भी बड़ी चुनौती है। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है। कुछ देशों के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62% ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए आर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है। भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है, जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली और पार्ट्स, बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं। आर्मेनिया जैसे देश पूरे तैयार हथियार खरीद रहे हैं। सरकार ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है। 2016-17 में यह 1,522 करोड़ रुपए था। यानी एक दशक से कम समय में इसमें 25 गुना से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नासिक में पर्यटकों पर हमला, 20km तक पीछा कियाःचलती कार पर पत्थर-रॉड मारे

»नासिक

महाराष्ट्र के नासिक में घूमने गए पर्यटक परिवार पर मनचलों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने परिवार की लड़की से छेड़छाड़ की थी। परिवार ने इसका विरोध किया तो 8-10 युवकों ने उन्हें घेर लिया। परिवार किसी तरह कार से वहां से भागा।

इसके बाद आरोपियों ने बाइकों से कार का करीब 20 किलोमीटर तक पीछा किया और लाठी-डंडों, रॉड और बेसबॉल स्टिक से उन पर जानलेवा हमला किया और चलती कार में तोड़फोड़ की। परिवार ने किसी तरह जान बचाई। वारदात रविवार शाम की है। इस मामले में पुलिस ने लूट, हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ का केस दर्ज कर 8 युवकों को अरेस्ट किया है। एक की तलाश जारी है।

नासिक पुलिस के मुताबिक, नासिक में ही रहने वाली पूनम भागवत 12 जुलाई की शाम अपने परिवार के साथ भावली वाटरफॉल घूमने गई थीं। इसी दौरान परिवार की लड़की के साथ कुछ स्थानीय मनचलों ने छेड़छाड़ की।

इस पर उन्होंने और उनके पति ने विरोध जताते हुए कहा कि आपको पता है यह पब्लिक प्लेस है। इतना सुनते ही दोनों युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसका विरोध करने के बाद वे मौके से फरार हो गए।

कुछ देर बाद 8-10 लोग उनके पास आए और बोले की उनके लोगों को क्यों मार रहे हो। इस पर उन्होंने उनसे कहा कि इसमें आपका क्या लेना-देना। इसके बाद उन लोगों ने भी परिवार के साथ गाली-गलौज की। इतना सब होने के बाद परिवार मामला सुलझाकर वहां से कार से निकल गया।

लेकिन, आरोपियों ने उनका पीछा करना शुरू किया। एक कार और बाइक पर सवार युवकों ने हथियारों के साथ उनकी कार का करीब 15 किलोमीटर तक पीछा किया। रास्ते में कई बार इन्होंने कार पर डंडों और रॉड से हमला करने की कोशिश की।

पूनम ने बताया कि उन्हें आरोपियों से बचने के लिए मजबूरी में कार स्पीड में चलानी पड़ी। कार में बैठे सभी लोग सहमे हुए थे। इसी दौरान उनकी कार में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। पूनम ने किसी तरह परिवार की जान बचाई। इसके बाद उन्होंने अंबड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया। नासिक SP डॉ. स्वामी ने बताया कि 12 जुलाई को हुई घटना के संबंध में केस दर्ज किए गए हैं। शुरुआत में अंबड पुलिस स्टेशन में शून्य एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में इगतपुरी पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

देश में मानसून ब्रेक, 11 साल में यह तीसरी बार :राजस्थान-एमपी-यूपी में 7 दिन बारिश नहीं

जितना टेम्प्रेचर, उससे ज्यादा गर्मी महसूस होगी

»नई दिल्ली/भोपाल

देश के बड़े हिस्से में जुलाई के दूसरे हफ्ते में मानसून पर ब्रेक लग गया है। 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है, जब जुलाई में बारिश नहीं हो रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 6-7 दिन उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी।

मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में पारा 41.5C रहा। दरअसल, हवा में नमी बढ़ गई है। पसीना जल्दी नहीं सूख रहा, इससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और जितना तापमान है उससे कहीं ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। इसे हीट इंडेक्स कहते हैं। भुवनेश्वर में पारा 36C और हीट इंडेक्स 49C तक पहुंच गया है। मुंबई में 32C और गर्मी 40C जैसी महसूस हो रही है। दिल्ली और श्रीगंगानगर में हीट इंडेक्स करीब 45C-46C है। उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना के कारण अगले 7 दिनों में पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश बढ़ने की उम्मीद है। 14 और 15 जुलाई 2026 को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ में क्रा दादी जिले में कुमेय नदी पर बना 84 मीटर लंबा पुल सोमवार को बाढ़ में बह गया। इसके बाद 8 गांवों का राज्य के बाकी हिस्सों से संपर्क पूरी तरह कट गया। राज्य में बारिश के कारण आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। 26 जिलों के 425 गांवों में रहने वाले 97,182 लोग प्रभावित हुए हैं। पिपसोरंग के सब-डिविजनल ऑफिसर युमलाम पुलु और ताली ईस्ट के जिला परिषद सदस्य रघु तामा ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया। दिल्ली में मंगलवार सुबह गर्मी बनी रही। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 28.4C दर्ज किया गया। पालम में 26.8C, लोधी रोड में 28.2C, रिज में 24.2C और आया नगर में 28.8C तापमान रिकॉर्ड हुआ। IMD के मुताबिक, दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। अधिकतम तापमान 37C के आसपास रहने का अनुमान है। मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक सिर्फ रिज इलाके में 0.2 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि बाकी मौसम केंद्रों पर बारिश नहीं हुई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार मंगलवार सुबह दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 152 दर्ज किया गया, जो मीडियम कैटेगरी में आता है। दोलत कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो के असर और अगले दो हफ्तों तक सामान्य से कम बारिश की संभावना से खरीफ की तिलहन और कपास की फसलों पर असर पड़ सकता है। खासकर राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तर कर्नाटक में कम बारिश की संभावना जताई गई है।

संपादकीय

प्रकृति से सामंजस्य बैठाने का समय

वर्षा ऋतु केवल मौसम का एक बदलाव ही नहीं, बल्कि इस धरती पर नवसृजन और संवर्धन का साक्षात आगमन है। भारतीय संस्कृति और दर्शन में प्रकृति को कभी भी मनुष्य से अलग नहीं देखा गया, बल्कि उसे एक परिवार के रूप में स्वीकार किया गया है, लेकिन आज पर्यावरण संकट, ग्लोबल वार्मिंग और जल संकट जैसी चुनौतियां हमारे दरवाजे पर खड़ी हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें अपने दैनिक जीवन में कुछ मूलभूत सुधार करने होंगे। यदि समाज कुछ विशेष आग्रहों और संकल्पों को अपनी जीवनशैली और कार्यशैली का हिस्सा बना ले, तो हम एक बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

वर्तमान में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पूरे देश में एक आंदोलन का रूप ले रहा है। इस अभियान के अंतर्गत समाज के प्रत्येक परिवार को यह जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके संरक्षण, पोषण और सुरक्षा का एक पवित्र संकल्प भी लें। जंगलों का जो कटान हुआ है और कंक्रीट के जैसे जंगल खड़े हुए हैं, उसके कारण भी तापमान में भारी वृद्धि हो रही है।

वृक्षों के साथ ही जीवन का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण तत्व जल है। जल के बिना इस सृष्टि की गति रुक जाएगी, इसीलिए हमारे समाज में यह गहरा भाव हमेशा से रहा है कि 'जल है तो कल है', लेकिन आधुनिक सुख-सुविधाओं और लापरवाही के कारण हमने अपने जल स्रोतों की घोर उपेक्षा की है। आज हमारे पारंपरिक तालाब सूख चुके हैं, कुएं कचरे से भर गए हैं और नदियों का जलस्तर घट रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन होने के कारण पानी का संकट गहराता जा रहा है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल सरकारी नीतियों से नहीं हो सकता, इसके लिए व्यापक जनभागीदारी की अत्यंत आवश्यकता है। हमें आगे आकर अपने तालाबों, पोखरों, अमृत सरोवरों, प्राचीन कुओं और अन्य सभी पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और उनकी स्वच्छता पर ध्यान देना होगा।

इसके साथ ही, वर्षा ऋतु में जो असीमित जल आसमान से गिरता है और बहकर व्यर्थ चला जाता है, उसे सहेजना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। हमें घरों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और विभिन्न व्यापारिक एवं सामाजिक संस्थानों में वर्षा जल संचयन यानी रेन वाटर हार्वेस्टिंग की प्रणालियों को स्थापित करना होगा और इसे एक जन अभियान का रूप देना होगा। जब वर्षा का जल सहेजा और सीधे जमीन के भीतर जाएगा, तो भूगर्भ जल का स्तर फिर ऊपर आएगा और आने वाली पीढ़ियों को पानी के संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

पिछले कुछ दशकों में रासायनिक खादों, यूरिया और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण हमारी उपजाऊ भूमि की सेहत बुरी तरह से खराब हुई है। मिट्टी की प्राकृतिक जीवन शक्ति नष्ट हो रही है और दूषित अन्न खाकर हम तरह-तरह की गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। हमें जैविक और प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देना होगा। जैविक खेती का सीधा अर्थ है प्रकृति के नियमों के अनुसार खेती करना। जब किसान इस पारंपरिक और वैज्ञानिक पद्धति को अपनाएगा, तो इससे न केवल हमारी मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरेगा, बल्कि अनाज भी शुद्ध और पौष्टिक होगा। यह बदलाव हमारे परिवार, हमारे समाज और पूरे देश को एक स्वस्थ जीवन प्रदान करेगा तथा हमारी कृषि व्यवस्था को अधिक समृद्ध, टिकाऊ और नई मजबूती प्रदान करेगा।

वर्षा ऋतु का मौसम जहां खुशहाली और नवजीवन लेकर आता है, वहीं यह अपने साथ स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी कई बड़ी चुनौतियां भी लेकर आता है। इन दिनों में थोड़ी सी भी लापरवाही जलजनित और संक्रामक रोगों को जन्म देती है। इसलिए हमें सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करना होगा और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करनी होगी ताकि जल प्रवाह सुचारु रूप से चलता रहे। बिजली गिरने से सैकड़ों बेगुनाह लोगों और बेजुबान पशुओं की असामयिक मृत्यु हो जाती है। हमें वज्रपात की घटनाओं का पूर्वानुमान तो नहीं मिल पाता, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं।

इसी प्रकार, भारी बारिश या अतिवृष्टि के कारण नदियों, नहरों, बांधों और अन्य स्थानीय जलाशयों का जलस्तर अचानक बहुत तेजी से बढ़ जाता है। हालांकि, शासन और प्रशासन ने इन सभी प्राकृतिक चुनौतियों और आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर व्यापक और पुख्ता तैयारियां की हैं, लेकिन हमें यह सदैव स्मरण रखना होगा कि कोई भी प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह प्रभावी नहीं हो सकती, जब तक उस समाज का प्रत्येक नागरिक स्वयं सतर्क, सजग और अनुशासित न हो।

जब हम अपनी धरती को केवल उपभोग की एक वस्तु मान लेते हैं, तो प्रकृति का संतुलन पूरी तरह से डगमगा जाता है। आज हम दुनिया भर में जो बेमौसम बारिश, अत्यधिक सूखा, भयानक बाढ़ और असहनीय गर्मी का प्रकोप देख रहे हैं, वह कुछ और नहीं बल्कि प्रकृति द्वारा संतुलन बहाल करने का एक कठोर प्रयास है। यदि हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, सुंदर और जीवंत पृथ्वी मिले, तो हमें अपनी आदतों और सोच को बदलना ही होगा।

प्रिवेंटिव डिटेंशन : जुर्म होने से पहले डिटेंशन क्यों? KDA-डॉ. टी.वी. राजपूत का कानून

प्रिवेंटिव डिटेंशन का मतलब है कि किसी व्यक्ति को जुर्म होने से पहले कानूनी तौर पर तब हिरासत में लिया जाता है, जब इस बात की संभावना हो कि वह भविष्य में पब्लिक शांति, कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा या समाज की सुरक्षा को खतरे में डालेगा। आमतौर पर किसी व्यक्ति को जुर्म करने के बाद गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन प्रिवेंटिव डिटेंशन का मकसद किसी संभावित जुर्म को रोकना होता है।

भारत के संविधान में व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बहुत महत्व दिया गया है। हालांकि, देश की सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए, संविधान के आर्टिकल 22 के तहत प्रिवेंटिव डिटेंशन के लिए खास प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान के अनुसार, सरकार या किसी अधिकृत अधिकारी को ऐसे व्यक्ति को हिरासत में लेने का अधिकार है, जिसके बारे में उचित आधार पर यह माना जाता है कि वह भविष्य में कानून और व्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है।

प्रिवेंटिव डिटेंशन और साधारण गिरफ्तारी में अंतर होता है। साधारण गिरफ्तारी तब होती है, जब किसी व्यक्ति ने जुर्म किया हो या उसके खिलाफ जुर्म का सबूत हो। प्रिवेंटिव डिटेंशन में, भविष्य में कोई अपराध करने की संभावना या पब्लिक शांति भंग होने के डर के आधार पर कार्रवाई की जाती है, भले ही व्यक्ति ने अभी तक कोई अपराध न किया हो।

भारत में कई कानूनों के तहत प्रिवेंटिव डिटेंशन का प्रावधान है। उदाहरण के लिए, नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (NSA), गुजरात प्रिवेंशन ऑफ़ एंटी-सोशल एक्टिविटीज़ एक्ट (PASA), COFEPOSA वगैरह के तहत, सरकार कुछ खास स्थितियों में किसी व्यक्ति को हिरासत में ले सकती है। गुजरात राज्य में, PASA कानून का इस्तेमाल खास तौर पर बूटलेगर, खतरनाक लोगों, ड्रग्स से जुड़े अपराधों, लैंड माफिया और पब्लिक ऑर्डर में खलल डालने वाले लोगों के खिलाफ किया जाता है।

संविधान व्यक्ति के अधिकारों की भी रक्षा करता है। प्रिवेंटिव डिटेंशन में हिरासत में लिए गए व्यक्ति को जल्द से जल्द उसकी हिरासत के कारणों के बारे में बताना ज़रूरी है। इसके अलावा, उसे अपना बचाव पेश करने का अधिकार भी दिया जाता है। हालांकि, कुछ सेंसिटिव जानकारी पब्लिक इंटरेस्ट में सीक्रेट रखी जा सकती है।

प्रिवेंटिव डिटेंशन ऑर्डर की समीक्षा के लिए एक एडवाइजरी बोर्ड बनाया गया है। इस बोर्ड में आमतौर पर हाई कोर्ट के मौजूदा या पूर्व जज होते हैं। बोर्ड यह जांचता है कि क्या हिरासत के लिए पर्याप्त आधार हैं। अगर बोर्ड को लगता है कि हिरासत में रखने का कोई सही आधार नहीं है, तो वह व्यक्ति को रिहा करने की सिफारिश कर सकता है।

भारत की अदालतों ने भी कई फैसलों में कहा है कि प्रिवेंटिव डिटेंशन एक खास अधिकार है और इसका इस्तेमाल बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए। किसी व्यक्ति की आज़ादी सिर्फ़ शक या अंदाज़े पर नहीं छीनी जा सकती। अधिकारियों के पास काफ़ी और वाजिब आधार होने चाहिए।

नतीजा यह है कि प्रिवेंटिव डिटेंशन एक कानूनी उपाय है जिसका मुख्य मकसद किसी अपराध को होने से पहले रोकना और पब्लिक शांति, सुरक्षा और देश के हित की रक्षा करना है। हालांकि, क्योंकि यह अधिकार निजी आज़ादी पर असर डालता है, इसलिए इसका इस्तेमाल कानून के दायरे में, सही और बराबर तरीके से और संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए किया जाना चाहिए।

सोशल मीडिया के आकर्षण से युवती को बाहर निकाल उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर कर सफल पुनर्वास कराने वाला सखी वन स्टॉप सेंटर

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

सूरत, मंगलवारः हाल ही में बी.एससी. नर्सिंग की पढ़ाई कर रही एक छात्रा को उसकी माता द्वारा परामर्श (काउंसलिंग) के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर, सूरत लाया गया। छात्रा पिछले छह महीनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से एक युवक के संपर्क में थी और दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया था।

छात्रा उस युवक से विवाह करना चाहती थी, जबकि उसके माता-पिता इस संबंध के पक्ष में नहीं थे। इस कारण परिवार में लगातार मतभेद और तनाव का वातावरण बना हुआ था।

सखी वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारियों ने छात्रा को प्राथमिक सुविधाओं के साथ सुरक्षित एवं आत्मीय वातावरण उपलब्ध कराया तथा लगातार काउंसलिंग की। काउंसलिंग के दौरान पता चला कि वह मानसिक तनाव से गुजर रही थी और उसके मन में आत्महत्या जैसे विचार भी आ रहे थे। छात्रा की सहमति से उसे चार दिनों तक सेंटर में आश्रय प्रदान किया गया। आश्रय अवधि के दौरान काउंसलिंग के माध्यम से उसे जीवन का महत्व, आत्मविश्वास, उच्च शिक्षा का मूल्य, माता-पिता के निस्वार्थ प्रेम तथा सोशल मीडिया के आकर्षण और वास्तविक जीवन के बीच का अंतर समझाया गया। निरंतर मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग के परिणामस्वरूप छात्रा में सकारात्मक परिवर्तन आया और उसने अपने भविष्य को प्राथमिकता देते हुए अपनी माता के साथ घर लौटने की सहमति दी।

महिला एवं बाल अधिकारी श्री आर. एन. गामित तथा दहेज प्रतिषेध सह संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में छात्रा का सुरक्षित रूप से उसके माता-पिता के साथ पुनर्वास कराया गया।

सखी वन स्टॉप सेंटर की समय पर की गई पहल, प्रभावी काउंसलिंग और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप एक युवती को मानसिक तनाव से बाहर निकालकर उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। यह सखी वन स्टॉप सेंटर की महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

वेड रोड के त्रिलोकनगर में प्रभावित 226 परिवारों को कैश डोल्स और घरेलू सामग्री सहायता वितरित

भारी बारिश की आपदा के बाद वेड रोड के श्रमिक परिवारों को 6,800 की कैश डोल्स एवं घरेलू सामग्री सहायता मिलने पर प्रशासन का जताया आभार

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

सूरत, बुधवारः हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण वेड रोड स्थित त्रिलोकनगर क्षेत्र में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया था, जिससे अनेक परिवारों के घरों में भारी नुकसान हुआ। राज्य सरकार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए सर्वेक्षण किया गया। त्रिलोकनगर क्षेत्र में लगभग 400 घरों का सर्वे किया गया, जिसके आधार पर पात्र 226 परिवारों को प्रति परिवार 6,800 की कैश डोल्स सहायता तथा आवश्यक घरेलू सामग्री वितरित की गई। इस सहायता से प्रभावित परिवारों को कठिन समय में तत्काल राहत मिली है।

सहायता वितरण कार्य से जुड़े तलाटी मंत्री श्री विशाल कोंडे ने बताया कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद जिला कलेक्टर श्री तेजस परमार तथा प्रांत अधिकारी (उत्तर) श्रीमती नेहाबेन सवाणी के मार्गदर्शन में प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे तेजी से पूरा कर सहायता वितरण किया जा रहा है। वेड रोड स्थित त्रिलोकनगर के 226 घरों में पानी भरने से घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा था। सर्वे पूरा होने के बाद प्रत्येक पात्र परिवार को 6,800 की सहायता प्रदान की गई है।

जिला प्रशासन लगातार यह सुनिश्चित कर रहा है कि प्रभावित परिवारों तक राहत शीघ्र पहुंचे, जिससे बाढ़ प्रभावित नागरिकों को समय पर आवश्यक सहायता मिल रही है।

मुश्किल समय में सरकार ने हमारा साथ दिया, समय पर मिली सहायता से श्रमिक परिवारों को बड़ा सहारा मिला : लाभार्थी कलेसावभाई

राज्य सरकार और जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त करते हुए लाभार्थी कलेसावभाई ने कहा,

"भारी बारिश के कारण अचानक हमारे घर में पानी भर गया। देखते ही देखते घर का सारा सामान और अनाज भीग गया, जिससे हमें भारी नुकसान हुआ। बाढ़ जैसी स्थिति में हमारा परिवार बेहद कठिन परिस्थिति में आ गया था और आगे क्या करें, इसकी चिंता सताने लगी थी। लेकिन इस संकट की घड़ी में जिला प्रशासन हमारे साथ खड़ा रहा। सरकार ने बिना किसी देरी के 6,800 की कैश डोल्स और घरेलू सामग्री सहायता उपलब्ध कराई, जिससे हमारे परिवार को बड़ी राहत मिली। गरीबों की चिंता करने वाली इस संवेदनशील सरकार और जिला प्रशासन का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।"

अदाणी हजीरा पोर्ट की फायर टीम ने सूरत के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 65 घंटे तक चलाया सफाई अभियान

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

हजीरा, सूरत, 10 जुलाई 2026: अदाणी हजीरा पोर्ट लिमिटेड (एएचपीएल) की फायर टीम ने सूरत महानगरपालिका (एसएमसी) के तत्काल अनुरोध पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर बाढ़ के बाद सफाई अभियान चलाया। 10 जुलाई की तड़के लगभग 3:30 बजे कॉल मिलते ही फायर फाइटर्स की टीम फायर टेंडर के साथ डुंभाल फायर स्टेशन पहुंची। वहां से टीम को जीआईडीसी के पास स्थित बाबा सीताराम सोसायटी और पांडेसरा के मारुति नगर क्षेत्र में तैनात किया गया। बाढ़ के बाद सड़कें और अंदरूनी गलियां कीचड़, मिट्टी और गंदे पानी से भर जाने के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया था। पानी की कमी और रास्तों में मौजूद बाधाओं के बावजूद टीम ने लगभग 12 किलोमीटर दूर से बार-बार पानी लाकर सफाई कार्य जारी रखा। रोटेशन आधारित शिफ्टों में लगातार 65 घंटे तक कार्य करते हुए लगभग 15 से 17 किलोमीटर तक की सड़कों और गलियों को दोबारा उपयोग के योग्य बनाया गया। इस अभियान से लोगों की आवाजाही सामान्य होने लगी तथा गंदे पानी और कचरे के निस्तारण से सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी कम हुआ। स्थानीय निवासियों और नागरिक प्रशासन ने एएचपीएल फायर टीम की त्वरित कार्रवाई, समर्पण और सेवा भावना की सराहना की। यह पहल आपदा के समय स्थानीय समुदायों के साथ खड़े रहने तथा क्षेत्र के कल्याण और आपदा-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के प्रति अदाणी हजीरा पोर्ट लिमिटेड (एएचपीएल) की प्रतिबद्धता का एक और उत्कृष्ट उदाहरण है।

वडोदरा के बुजुर्ग डॉक्टर को हनी ट्रैप में फंसाकर 6.10 लाख की उगाही, फरार आरोपी सूरत SOG के हत्थे चढ़ा

»रिपोर्टर दिनेश भाई ठाकोर

सूरत शहर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने वडोदरा के कपूराई क्षेत्र में एक बुजुर्ग डॉक्टर को हनी ट्रैप में फंसाकर 6.10 लाख की जबरन वसूली करने के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस आयुक्त श्री वाबंग जामीर के निर्देश तथा पुलिस उपायुक्त श्री राजदीपसिंह नाकुम के मार्गदर्शन में, एसओजी के पुलिस इंस्पेक्टर ए.एस. सोनारा की टीम ने फरार आरोपी प्रवीण उर्फ राजुमामा भोलाभाई राठौड़ (45 वर्ष) को वराछा जोन कार्यालय के पास स्थित वसुंधरा सोसायटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 4 फरवरी 2026 को उसकी एक महिला साथी ने टिंडर ऐप के माध्यम से वडोदरा निवासी एक बुजुर्ग डॉक्टर से संपर्क किया और मिलने के लिए बुलाया। मुलाकात के दौरान आरोपी और उसके साथियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर डॉक्टर को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी और स्कैनर के जरिए उनके बैंक खाते से 6,10,000 की उगाही कर ली।

इस मामले में वडोदरा के कपूराई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई थी। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी के विरुद्ध कपूराई पुलिस स्टेशन अपराध क्रमांक 11191035260127/2026 में भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धाराओं 308(4), 115(2), 204(B) और 61(2) के तहत मामला दर्ज है।

सीमा पार 1000 किलोमीटर दूर तक दुश्मन को तबाह करने की भारत की नई रणनीति

»नई दिल्ली

दुश्मन के घर में घुसकर मारना पुराने भारत की रणनीति थी। आज का नया भारत दुश्मन को संभलने का मौका दिए बिना, उसकी सीमा में कदम रखे बिना ही उसे घुटनों पर लाने का दम रखता है।

इसका हालिया उदाहरण आतंकवाद और नापाक पड़ोसी पाकिस्तान के खिलाफ भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से लिया जा सकता है। भारत के इस सैन्य कार्रवाई ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय उपमहाद्वीप में युद्ध का तरीका अब हमेशा के लिए बदल चुका है। इस बात को समझना ज्यादा मुश्किल नहीं है कि यह नए दौर की 'नॉन-कॉन्टैक्ट और नॉन-कैनेटिक' वॉरफेयर की शुरुआत है। ऐसे में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने सैनिकों को जोखिम में डाले बिना, केवल तकनीक, सटीक ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों के दम पर दुश्मन के हौसले पस्त कर दिए। इसके इतर अब भारत अपनी नई रणनीति कुछ इस प्रकार तैयार कर रहा है, जिससे आधुनिक हथियारों के दम पर सीमा पार 1000 किलोमीटर दूर छिपे दुश्मनों के सैन्य ठिकानों, कमांड सेंटरों और रडार नेटवर्कों को पलक झपकते ही नेस्तनाबूद किया जा सके। ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि अब भारत ने अपनी लड़ाई की परिभाषा को पूरी तरह से बदल की दहलीज पर खड़ा है और संदेश साफ है कि शुरुआत चाहे जो करे, लेकिन अंत भारत अपनी शर्तों पर ही करेगा। इस बात को ऐसे समझिए कि पहले युद्धों में बड़ी संख्या में सैनिकों और हथियारों को एक जगह जुटाना पड़ता था, जिससे भारी संख्या में जान-माल का नुकसान होता था। लेकिन अब भारत ने ड्रोन, सटीक मिसाइलों और एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम (जैसे S-400) के दम पर यह दिखा दिया है कि वह जब चाहे दुश्मन को उसकी सीमा में घुसकर घुटने टेकने पर मजबूर कर सकता है। युद्ध का एक पुराना नियम है कि आप उसे नहीं मार सकते, जिसे आप देख नहीं सकते। ऐसे में इस नियम को बदलते हुए दुश्मन पर सटीक निशाना लगाने के लिए भारतीय सेना अपनी जासूसी और निगरानी क्षमता को बेहद मजबूत कर रही है।

NIA ने चार्जशीट में कहा था- हाफिज ने पहलगाम हमले की साजिश रची, जंग छेड़ी

हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी

»श्रीनगर

जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया।

कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था, जानकारी मंगलवार को सामने आई है। इससे पहले 6 जुलाई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने पहलगाम हमले को लेकर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने कहा था कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश हाफिज सईद ने ही रची थी। NIA ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है।

22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों की हत्या की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और PoK में 9 ठिकानों पर हमला किया था। भारत का दावा है कि इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। पहलगाम हमले के बाद NIA ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आतंकियों को आरोपी बनाया था। उस वक्त हाफिज सईद का नाम सामने नहीं आया था। पहलगाम हमले के 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। आतंकियों का हैंडलर सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा अभी जिंदा है। उस पर 10 लाख का इनाम है। टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार वक्त रहते जानकारी देते तो हमला को टाला जा सकता था। दरअसल, दोनों गाइड ने आतंकियों को बैसरन में देखा था लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को नहीं बताया। दोनों गिरफ्तार हो चुके हैं। हमले से एक दिन पहले तीनों आतंकियों ने गाइड परवेज की झोपड़ी में खाना खाया और जाते समय रोटी-सब्जी भी साथ ले गए। बैसरन घाटी में वारदात से पहले उन्होंने पेड़ के नीचे खाना खाया और इसके बाद धार्मिक नारे लगाते हुए फायरिंग शुरू कर दी।

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 11 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोर्ट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग

काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फ्रेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और हाई प्रोफेशनल स्टैंर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने छोड़ा सीएसके का साथ

18 साल बाद अलग हुए, कहा- टीम हमेशा दिल के करीब रहेगी, 5 आईपीएल टाइटल जिताए

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और उसके हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सीएसके ने एक्स पर लिखा- 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने आईपीएल इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप में से एक को साझा किया है। आपने जो विरासत बनाई है, वह हमें प्रेरित करती रहेगी। बेहद सम्मान और आभार के साथ, धन्यवाद स्टीफन।' न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल के पहले सीजन में बतौर खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। 2009 में उन्होंने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली और 2010 में पहला टाइटल जिता दिया।

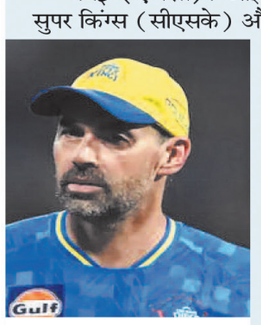

आईपीएल के सबसे सफल कोच हैं फ्लेमिंग

फ्लेमिंग की रणनीति, शांत नेतृत्व और खिलाड़ियों पर भरोसा सीएसके की पहचान बन गया। उनकी और एमएस धोनी की जोड़ी को आईपीएल इतिहास की सबसे सफल कोच-कप्तान जोड़ियों में गिना जाता है।

फ्लेमिंग ने कहा-18 साल खेल में एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं। मुश्किल दौर देखे और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। छ्स्च्य हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मैं आगे भी टीम को सपोर्ट करता रहूंगा।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

- ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

- लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाईं। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

भारत ने लॉर्ड्स का पहला महिला टेस्ट जीता

इंग्लैंड को 270 रन से हराया, यस्तिका का शतक, मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारत ने इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया था, लेकिन चौथे दिन टीम दूसरी पारी में 186 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की टीम 170 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत को 115 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया। दूसरी पारी में यस्तिका भाटिया ने 113 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए। स्मृति ने पहली पारी में भी 83 रन बनाए थे। ऋचा घोष ने भी नाबाद 50 रन बनाकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

पहली पारी में क्रांति ने 5 विकेट लिए - इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना

खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके। सयाली सतघारे और रेणुका सिंह ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को एक सफलता मिली। एमी जोन्स ने 52 और कप्तान नेट सिवर-ब्रंट ने 44 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके।

यस्तिका ने रचा इतिहास, भारत ने मैच पर कब्जा जमाया - 115 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी खेलने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने 88 रन की शुरुआत दी। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने जिम्मेदारी संभालते हुए 113 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने स्मृति के साथ 73 और दीप्ति शर्मा के साथ 52 रन की साझेदारी की। ऋचा घोष ने नाबाद 50 और सयाली सतघारे ने नाबाद 18 रन बनाकर भारत को 341/7 तक पहुंचाया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट लिए, लेकिन भारत ने 456 रन की बढ़त हासिल कर ली।

चौथे दिन भारतीय स्पिनरों ने खत्म किया मुकाबला - 457 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टैमी ब्यूमोंट, माया बुशियर, हीदर नाइट और कप्तान नेट-ब्रंट जल्दी आउट हो गईं। एमी जोन्स ने 54 और सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड ज्यादा देर टिक नहीं सका। रेणुका सिंह ठाकुर ने 4 विकेट लिए। सयाली सतघारे, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड की पूरी टीम 186 रन पर सिमट गई और भारत ने मुकाबला 270 रन से जीत लिया।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत - द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024

टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ - रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

- **एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार** - पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल में 35 साल बाद सभी पूर्व चैंपियंस

अर्जेंटीना-इंग्लैंड की 40 साल पुरानी राइवलरी, एम्बाप्पे का फ्रांस यमाल के स्पेन से खेलेगा

अटलांटा (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। फुटबॉल की चार दिग्गज टीमें- अर्जेंटीना, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने टॉप-4 में प्रवेश किया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में सिर्फ पूर्व चैंपियन टीमें पहुंची हैं। एक खास बात और है, ये चारों टीमें फीफा रैंकिंग में टॉप-4 में शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब रैंकिंग की टॉप-4 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची हैं और खिताब से सिर्फ दो जीत दूर हैं। मंगलवार को किलियन एम्बाप्पे की फ्रांस और लामिन यमाल के स्पेन आमने-सामने होंगे, जबकि बुधवार को लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना और हैरी केन की इंग्लैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

अर्जेंटीना - इंग्लैंड - अर्जेंटीना और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ फुटबॉल तक सीमित नहीं रही है। 1982 के फॉकलैंड युद्ध से लेकर वर्ल्ड कप के कई विवादित मुकाबलों तक दोनों देशों की राइवलरी काफी पुरानी है।1986 वर्ल्ड कप में डिएगो माराडोना के चर्चित हैंड ऑफ गॉड गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था। 1998 में डेविड बेकहम को रेड कार्ड मिला और अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।2002 में बेकहम ने पेनल्टी गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। अब मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

स्पेन - फ्रांस - दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस और स्पेन की टक्कर होगी। दोनों टीमें 2 साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, जहां स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे और डिजिरे डुए जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि स्पेन की उम्मीदें युवा स्टार लामिन यामाल और मिडफील्डर मिकेल मेरिनो पर टिकी होंगी। मेरिनो ने लगातार दो नॉकआउट मुकाबलों में निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिलाई है।

मेसी के पास इतिहास रचने का मौका - 39 साल लियोनेल मेसी अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके नाम विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल हैं।अगर मेसी अर्जेंटीना को लगातार दूसरा वर्ल्ड कप दिलाने में सफल रहते हैं, तो वह डिएगो माराडोना के बराबर नहीं, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाएंगे।अर्जेंटीना अगर खिताब जीतता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ब्राजील और इटली यह कारनामा कर चुके हैं।

ब्रेंडन मैकुलम की बर्खास्तगी पर भड़की इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स, ईसीबी को लगाई फटकार

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक महिला टेस्ट के दौरान इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा ब्रेंडन मैकुलम को पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाने की घोषणा विवादों में आ गई है। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स हार्टले ने इस फैसले के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे महिला क्रिकेट के इस ऐतिहासिक मुकाबले की अहमियत कम हो गई।

ऐतिहासिक मैच से हट गया सबका ध्यान - एलेक्स हार्टले ने कहा कि लॉर्ड्स में खेला जा रहा यह मुकाबला महिला क्रिकेट के इतिहास का

बेहद खास पल है। ऐसे समय में मैकुलम की विदाई का ऐलान करना समझदारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ईसीबी चाहती तो इस घोषणा को टेस्ट खत्म होने तक टाल सकती थी। उनके मुताबिक इससे क्रिकेट जगत और प्रशंसकों का पूरा ध्यान महिला टेस्ट से हट गया।

ईसीबी की मंशा पर भी उठाए सवाल - हार्टले ने बोर्ड की महिला क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ईसीबी वास्तव में महिला क्रिकेट का सम्मान और विकास चाहता है तो उसे केवल बयान देने के बजाय अपने फैसलों से भी यह दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस फैसले का कोई मतलब नहीं बनता। मंगलवार तक इंतजार किया जा सकता था। इंग्लैंड भले ही यह टेस्ट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन मैच अभी खत्म नहीं हुआ है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक मुकाबला है।

सिर्फ बातें नहीं, काम से दिखाइए सम्मान - हार्टले ने माना कि मंगलवार से इंग्लैंड पुरुष टीम को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है, इसलिए ईसीबी घोषणा जल्द करना चाहता था। लेकिन उनके मुताबिक महिला क्रिकेट के लिहाज से यह टेस्ट उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि महिला क्रिकेट का सम्मान करते हैं और उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो सिर्फ बातें मत कीजिए। इस खबर को सोमवार शाम या मंगलवार सुबह तक रोका जा सकता था।

एक एक्टर के तौर पर अभी लंबा सफर तय करना बाकी है

'मिर्जापुर : द मूवी' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वेब सीरीज के तीन सीजन के बाद अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें जहां वेब सीरीज के कई कलाकार और किरदार वापसी करेंगे, तो वहीं कुछ नए कलाकार और किरदार भी नजर आएंगे। अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में सीरीज के अपने चर्चित कंपाउंडर सुबोध के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज से पहले अभिषेक ने अपने किरदार को मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने एक किस्सा साझा किया जहां एक फैन ने उन्हें कंपाउडर सुबोध के तौर पर ही पहचाना।

बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने एक फैन द्वारा उन्हें कंपाउंडर सुबोध के तौर पर पहचाने जाने का जिक्र किया। अभिषेक ने बताया कि हां, जना और हथौड़ा त्यागी। मुझे लगता है कि लोग मुझे मेरे असली नाम से ज्यादा इन किरदारों के नाम से जानते हैं। मुझे सच में इस बात की खुशी है। जब आपके किरदार अच्छा काम करते हैं, तो लोग उनसे जुड़ जाते हैं। अभी-अभी जब मैं अंदर आ रहा था, तो सिक्योरिटी गार्ड ने मुझे रोका और कहा, 'अरे, मिर्जापुर कंपाउंडर!' उसने मुझे इसी तरह याद रखा था। मैं अपने दर्शकों के साथ ठीक ऐसा ही जुड़ाव बनाना चाहता हूं।

एक एक्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि अभी लंबा सफर तय करना बाकी है; यह तो बस शुरुआत है। मेरे लिए यह जरूरी है कि लोग मुझे मेरे काम और एक्टिंग की वजह से जानें, न कि इस वजह से कि मैं असल जिंदगी में कैसा हूं। मुझे जो काम मिल रहा है, उसके लिए मैं सच में शुक्रगुजार हूं।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी, अकेली गुजारेंगी जिंदगी

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो 'लॉक अप: सच या सजा' के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आईं। आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24 साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। आकांक्षा ने जवाब दिया, 'नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की ज़िंदगी अकेले ही बिताऊंगी।' फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ 'लैला' जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं।

'लॉकअप' का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे। 'लॉकअप' के दूसरे सीजन में 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होगी। पिछले हफ्ते 'जजमेंट डे' के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूं।' उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

20 वर्षों के बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने को तैयार नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्हें 'अमरन' के लिए काफी तारीफें मिली थीं।

मेकर्स ने किया आधिकारिक एलान

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा 'ओम की दुनिया में एक दमदार एंट्री। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।'

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कमल हासन की फिल्म 'हे राम' (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी।

मेरा किसी की शैली की नकल करने का कोई इरादा नहीं है

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ़ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश। 'आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।' कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।' गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

रवीना टंडन ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। बातचीत के दौरान, रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, 'आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।'

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।' इतने मुश्किल शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

जन्मजात नेता हैं थलापति विजय

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है। हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। अपनी फिल्म 'जीडीएन' के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए।

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR